मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली, ठाणे, पालघर, राजस्थान, लखनऊ, इलाहाबाद, वाराणसी, जौनपुर, भदोही, रायबरेली, प्रतापगढ़, आजमगढ़, अहमदाबाद, मेरठ में वितरित

मेट्रो दिनांक

राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक

महाराष्ट्र सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी

www.metrodinank.blogspot.com
Email : metrodinank@gmail.com

RNI No. : MAHHIN/2009/35355 PostRegd.NoMH/MR/NW~-143/2015-17

वर्ष : ०९ अंक :३७ मुंबई, शुक्रवार, २८ जून से ०४ जुलाई २०१९ पृष्ठ : ४+४ कीमत : दो रुपये

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र कांग्रेस के नेताओं से २७ को मिलेंगे राहुल गांधी

मुंबई, कांग्रेस प्रमुख राहुल गांधी महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर दिल्ली में २७ जून को प्रदेश नेताओं के साथ चर्चा करेंगे। विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार नेबताया कि कांग्रेस महासचिव मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रदेश के नेताओं को गांधी के साथ बैठक के बारे में सूचित किया है। यह बैठक २७ जून को होनी है। बैठक में वडेट्टीवार के अलावा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अशोक चव्हाण और कांग्रेस विधायक दल के नेता बालासाहेब थोराट शिरकत करेंगे। महाराष्ट्र विधानसभा की २८८ सीटों के लिए इस वर्ष अक्टूबर में चुनाव हो सकते हैं। सत्तारूढ़ भाजपा-शिवसेना ने हाल में हुए लोकसभा चुनावों में राज्य की ४८ लोकसभा सीटों में से ४१ पर जीत हासिल की है और उन्होंने विधानसभा चुनाव में २२० सीटों को जीतने का लक्ष्य रखा है।

महिला का शव बरामद

ठाणे, ठाणे जिले में एक पुल के नीचे एक महिला का आंशिक रूप से जला हुआ शव बरामद हुआ है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता युवराज कलगुत्के ने बताया कि ठाणे के टिटवाला शहर में राया पुल के नीचे करीब २५ वर्षीय एक महिला का शव देखे जाने के बाद रविवार को कुछ स्थानीय लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। महिला का चेहरा जला हुआ था जिसके कारण उसकी पहचान नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ले गई।

युवक ने किया आत्मदाह का प्रयास

मुंबई, मुंबई मनपा मुख्यालय में मनपा आयुक्त के कार्यालय के सामने एक ३० वर्षीय युवक ने सोमवार को आत्मदाह का प्रयास किया। युवक अपने शरीर पर मिट्टी तेल डालकर आत्मदाह करने वाला था,लेकिन सुरक्षा रक्षक ने युवक को रोक दिया और पुलिस के हवाले कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार सुदाम शिंदे राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी का घाटकोपर विभाग का युवा अध्यक्ष है।

पांच साल के बेटे की पिता ने काट दी गर्दन

झारखंड, झारखंड के जमशेदपुर में एक पिता ने अपने पांच वर्षीय बेटे की गर्दन काटकर हत्या कर दी। उसे संदेह था कि वह बच्चा उसका नहीं है। हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। राउरकेला के बंडामुंडा थाना क्षेत्र के आरएस कॉलोनी निवासी ४० वर्षीय होंडो ओराम ने सोमवार की सुबह साढ़े छह बजे अपने इकलौते बेटे पांच वर्षीय अनुग्रह ओराम की धारदार हथियार से गर्दन काटकर हत्या कर दी। होंडो की पत्नी सुखो ओराम जब नहाकर घर आई तो देखा कि उसका बेटा अनुग्रह खून से लथपथ होकर बिस्तर पर पड़ा है। बंडामुंडा थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार प्रधान समेत फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल का जायजा लिया। पुलिस ने शव जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और हत्यारोपी पिता होंडो ओराम को गिरफ्तार कर लिया। होंडो ओराम ने पुलिस को दिये बयान में आरोप लगाया कि शादी के कुछ दिनों बाद ही उसकी पत्नी का किसी और से नाजायज संबंध था। अनुग्रह उसका बेटा नहीं है। इस कारण गुस्से में आकर उसने यह कदम उठाया।

बेस्ट बस का किराया हुआ कम, बढ़ सकता है ट्रेन और टैक्सी का किराया

दीनानाथ तिवारी

मुंबई : किफायती किराए पर यात्रियों को उनके गंतव्य स्थान तक पहुंचानेवाली बेस्ट बस एक बार फिर मुंबईकरों के लिए बेस्ट साबित हुई है। बेस्ट बस ने अपना न्यूनतम किराया ८ रुपए से घटाकर ५ रुपए कर दिया है। किराया कम किए जाने से बेस्ट बस से सफर करनेवाले यात्रियों ने राहत की सांस ली है। बेस्ट ने यात्री किराया घटाकर मुंबईकरों पर पड़नेवाले किराए के अतिरिक्त बोझ को तो कम कर दिया है लेकिन इन दिनों रेलवे और टैक्सी युनियन जिस तरह से किराए बढ़ाने की जद्दोजहद में लगी हैं यदि वे इसमें कामयाब हो ती हैं तो आनेवाले दिनों में ट्रेन और टैक्सी का किराया बढ़ सकता है।

मुंबईकरों के बीच बेस्ट बस हमेशा से ही बेस्ट सुविधा देकर यात्रियों के बीच राज करती रही है। एक बार फिर बेस्ट ने किराया घटाकर यात्रियों के दिलों पर राज किया है। बेस्ट ५ किमी के लिए यात्रियों से पहले ८ रुपए किराया वसूलती थी जिसे घटाकर बेस्ट ने अब बस का न्यूनतम किराया ५ रुपए कर दिया है। वहीं इसी कड़ी में बेस्ट ने अपने वातानुकूलित बस का ५ किमी का न्यूनतम किराया घटाकर ६ रुपए कर दिया है। जिससे मुंबईकरों पर किराए का बोझ कम हुआ है। यात्रियों को 'बेस्ट' बस की बेस्ट सेवा मिले और बस के इंतजार में लंबा समय न गंवाना पड़े इसलिए बेस्ट बसों की संख्या ७ हजार करने की तैयारी कर रही है। हाल ही में मनपा आयुक्त प्रवीण परदेशी ने बेस्ट की बसों की संख्या ७ हजार करने का निर्देश दिया है। फिलहाल बेस्ट प्रशासन ने ५३० बसों के लिए प्रक्रिया पूरी कर ली है, जबकि १ हजार नई बसों के लिए जल्द ही निविदा जारी की जाएगी। जहां तक बात टैक्सी और ट्रेन के किराया बढ़ोत्तरी की है तो मुंबई की लाइफ लाइन कही जानेवाली लोकल ट्रेन का किराया भी महंगा होनेवाला है। रेलवे सेकंड और फर्स्ट क्लास के टिकट के दामों में २५ फीसदी की वृद्धि करने की योजना बना रही है जबकि एसी लोकल के किराए का १८ फीसदी बढ़ाने पर विचार कर रही है। वहीं काली-पीली टैक्सी का प्रतिनिधित्व करनेवाली मुंबई टैक्सी मेन्स युनियम टैक्सी का न्यूनतम किराया २२ रुपए से बढ़ाकर २५ रुपए करने की मांग कर रही है। यदि सरकार रेलवे और टैक्सी के किराए में वृद्धि करती है तो आनेवाले दिनों में ट्रेन और टैक्सी का किराया भी बढ़ सकता है। बेस्ट बस से सफर करनेवाली मनीषा कांबले ने बताया कि सस्ती यातायात सेवा देने के मामले में लोकल ट्रेन के बाद बेस्ट की बस का ही नंबर रहा है। बेस्ट ने किराया कम कर काफी हद तक यात्रियों पर से किराए का बोझ कम किया है। वहीं शैला माने का कहना है कि बेस्ट और भी बसें खरीदने की योजना बना रही है। बस का किराया कम होने पर यात्रियों का रुझान बेस्ट बस की ओर बढ़ेगा और बेस्ट की कमाई बढ़ेगी। बेस्ट की इस पहल से टैक्सी और रेल दोनों पर प्रभाव पड़ेगा।

बीएमसी अस्पतालों में होगी दवाओं की कमी

मंजु तिवारी

मुंबई : बीएमसी अस्पतालों में दवाओं की कमी के मामले में मंगलवार को बीएमसी ने एक और दवा सप्लायर मेडिको पीवीटी लिमिटेड कंपनी को ब्लैक लिस्ट कर दिया। इससे नाराज ठेकेदारों ने बुधवार से बीएमसी के सभी अस्पतालों में दवा सप्लाई न करने का ऐलान कर दिया। ऑल इंडिया फूड ऐंड ड्रग लाइसेंस होल्डर असोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय पांडेय ने कहा कि बीएमसी के नियमानुसार, अगर सप्लायर ठेका लेने के लिए नकली दस्तावेज, सब-स्टैंडर्ड दवाएं सप्लाई करता है या नॉन सप्लायर घोषित किया जाता है, तभी उसे ब्लैक लिस्ट किया जाता है। मेडिको को सप्लाई में देरी का नोटिस दिया गया था। उस पर जुर्माना लगाया जा चुका है। इसके बावजूद इस कंपनी को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया। बीएमसी के आला अधिकारियों के साथ बैठक का कोई निष्कर्ष नहीं निकला। नतीजतन हमने अगले फैसले तक बीएमसी के सभी अस्पतालों में दवा, इंजेक्शन आदि की सप्लाई रोकने का फैसला किया है। बीएमसी का कहना है कि ठेकेदार ने अस्पतालों में समय पर सप्लाई नहीं कि जिसके कारण मरीजों को मुसीबतों का सामना करना पड़ा। नतीजतन इसे ५ साल के लिए ब्लैक लिस्ट किया गया है। वहीं ठेकेदार का कहना है कि अस्पतालों में हुई दवाओं की कमी को लेकर हम पर तो कार्रवाई हो रही है, लेकिन बीएमसीकर्मियों को केवल कारण बताओ नोटिस ही जारी किया गया है। दूसरी ओ? डेप्युटी म्युनिसिपल कमिश्नर सुनील धामने ने बताया, 'सप्लाई रोके जाने को लेकर मुझे कोई सूचना नहीं है। ऐसा करने वाले सप्लायरों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी।'

प्लेट से कम होगा मक्का! बेईमान बारिश और कीट से फसल खराब

मुंबई, मक्का इन दिनों फास्ट फूड की जरूरत बन चुका है। सड़क से लेकर पांच सितारा होटलों में परोसे जानेवाले व्यंजनों का स्वाद मक्का बढ़ा रहा है। आलू और प्याज की तरह मक्का भी इन दिनों फास्ट फूड से लेकर सब्जियों तक की जान बन चुका है। जल्द ही मक्के से बननेवाले फास्ट फूड व अन्य डिशेज को धक्का लगनेवाला है क्योंकि प्लेट से अब मक्का धीरे-धीरे कम होनेवाला है। डिमांड अधिक होने के बावजूद किसानों ने मक्के की बुआई इस बार कम की है। एपीएमसी के लोगों की मानें तो बारिश की बेरुखी और राज्य में मक्के में लगते कीड़े किसानों के चिंता का सबब बने हुए हैं। बता दें कि मक्के का उपयोग मनुष्य के साथ-साथ पशुओं और मुर्गियों के भोजन के रूप में भी किया जाता है। ऐसे में मक्के की डिमांड दिन-ब दिन बढ़ती जा रही है लेकिन देशभर में जून में इस वर्ष केवल ३ लाख हेक्टेयर ही मक्के की बुआई हुई है जबकि गत वर्ष ४.५ लाख हेक्टेयर में बुआई हुई थी। राज्य में मक्के के दामों में अभी से ही इजाफा देखने को मिल रहा है। वाशी स्थित एपीएमसी थोक बाजार में मक्के के व्यापारी विजय शेलके ने बताया कि फिलहाल सीजन न होने के कारण बाजार में लगभग ३० प्रतिशत मॉल ही पहुंच पा रहा है। गत वर्ष बारिश कम थी और फसल में कीटाणु लगने के कारण काफी फसल बर्बाद हो गई थी।

नीलम गोर्हे चुनी गई उपसभापति

मुंबई, शिवसेना विधायक नीलम गोऱ्हे को कल विधान परिषद के उपसभापति पद पर निर्विरोध चुना गया। विधानसभा के कामकाज के दौरान सभापति रामराजे निंबालकर ने उपसभापति पद के चुनाव की घोषणा की। विरोधी दल की ओर से कांग्रेस विधायक दल के नेता शरद रणपिसे ने जोगेंद्र कवाडे का नाम सुझाया था। राज्य के परिवहन मंत्री दिवाकर रावते ने उपसभापति पद के लिए शिवसेना की विधायक नीलम गोऱ्हे के नाम का प्रस्ताव रखा था। जिसका अनुमोदन पशुसंवर्धन मंत्री महादेव जानकर ने किया। सभापति ने चुनाव की प्रक्रिया की शुरुआत की। इसी दरम्यान विधान परिषद में कांग्रेस विधायक दल नेता शरद रणपिसे ने जोगेंद्र कवाडे का नाम वापस लेने की घोषणा की। इसके बाद सभी दल के सदस्यों ने नीलम गोऱ्हे के नाम पर सर्वसम्मति से सहमति जताई। इसके बाद सभापति रामराजे निंबालकर ने गोऱ्हे के निर्विरोध उपसभापति चुने जाने की घोषणा की। बता दें कि १९ अगस्त १९५५ से २४ अगस्त १९६२ तक श्रीमती जे पी सीपाहिमलानी उपसभापति पद पर चुनी गई थीं। इसके बाद नीलम गोऱ्हे सर्वसम्मति से निर्विरोध उपसभापति पद पर चुनी गई हैं। नीलम गोऱ्हे को उपसभापति पद पर चुने जाने के बाद अभिनंदन प्रस्ताव पर बोलते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि नीलम गोऱ्हे ने सामाजिक और समाज से जुड़े प्रश्नों को लेकर हमेशा कार्य किया। गरीबों और पिछड़ों की लड़ाई हमेशा लड़ती रहीं।

पत्नी ने की मायके जाने की जिद पति ने चबा डाली उसकी नाक

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के बरेली में अजीब घटना सामने आई। एक व्यक्ति अपनी पत्नी के मायके जाने की बार-बार जिद करने पर इतना गुस्सा

हो गया कि वह अपनी पत्नी की नाक को दांत से चबा गया। यह व्यक्ति नशे की हालत में सोमवार को सुबह पत्नी की नाक चबाने के बाद उसे खून से लथपत हालत में छोड़कर वहां से भाग गया। वह महिला, जिसका नाम आरती है उसे सरकारी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने तत्परता दिखाई और एफआईआर रजिस्टर होने से पहले मामले की जांच की कार्रवाई शु कर दी।

टीओआई के मुताबकि एडिशनल एसपी जितेंद्र कुमार ने कहा कि जांच के दौरान हमें पता कि पीड़ित महिला पास के गांव में अपने माता-पिता के घर जाने के लिए अपने पति से अनुमति मांग रही थी। लेकिन आरोपी संजय कुमार ने इनकार कर दिया। सोमवार को पति-पत्नी के बीच इस मामले को लेकर जमकर बहस हुई। गुस्से में आकर संजय ने उसकी नाक चबा डाली और वहां से भाग गया। हालांकि आरती की बहन के पति विनोद ने कहा कि संजय अपनी पत्नी की ज्वैलरी को बंधक रखकर पैसा उधार लिया था। वह शराबी है और अक्सर अपनी पत्नी को पीटता रहता है। पिछले दो दिनों से वह अपनी तकलीफ को अपने माता-पिता से बताने के लिए उनके घर जाने के लिए जोर दे रही थी। लेकिन उसने उसे अनुमति नहीं दी। सोमवार सुबह उसने शराब पी ली और आरती को पीटना शुरू कर दिया। उसे बुरी तरह घायल कर दिया जब उनसे अपने माता-पिता से मिलने के लिए अनुमति के लिए कह रही थी। एसपी ने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। हम अभी महिला या उसके परिवार की तरफ से शिकायत का इंतजार कर रहे हैं। जांच खत्म होने के बाद हम उचित कार्रवाई करेंगे।

महिला का इलाज करने वाले डॉक्टर के मुताबिक, ऐसे केस में नाक को फिक्स करने के लिए सर्जरी की आवश्यकता है। यह अच्छी मेडिकल सुविधा से संभव है। अगर नाक का क्षतिग्रस्त हिस्सा वहां मौजूद है। हालांकि ऐसे मामले में नाक के हिस्से को चबाए जाने के बाद क्षतिग्रस्त हिस्सा उपलब्ध होना मुश्किल है। इस परिस्थिति में पेसेंट कृत्रिम नाक लगवा सकता है। यह बहुत महंगा होता है और यह प्रदेश में सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध होना मुश्किल है।

ठेका मजदूरों को जून के बाद मिलेगी न्यूनतम मजदूरी– आयुक्त

राजकुमार सोनी

भिवंडी, भिवंडी मनपा जलापूर्ति विभाग में ठेके पर काम करने वाले मजदूरों को जून के बाद न्यूनतम वेतन दिया जाएगा। ठेके पर काम करने वाले मजदूरों को न्यूनतम वेतन देने का आश्वासन श्रमजीवी कामगार संगठन के पदाधिकारियों द्वारा मजदूरों की विभिन्न समस्याओं को लेकर चर्चा करने के बाद मनपा आयुक्त मनोहर हिरे ने जलापूर्ति विभाग के अधिकारियों को दिया है। . ज्ञात हो कि मनपा जलापूर्ति विभाग में लगभग १५ वर्षों से ठेका पर काम करने वाले मजदूरों को न्यूनतम वेतन नियम के अनुसार वेतन सहित भविष्य निर्वाह निधि, साप्ताहिक छुट्टी मिलने, मजदूरों को गणवेश देने एवं ठेके पर काम करने वाले मजदूरों को मनपा द्वारा परिचय पत्र आदि देने की मांग को लेकर श्रमजीवी कामगार संगठन ने मनपा आयुक्त को पत्र दिया था। श्रमजीवी कामगार संगठन ने कई वर्षों से जलापूर्ति विभाग में ठेके पर काम करने वाले मजदूरों को न्यूनतम वेतन नियम के अनुसार माह जून के बाद न्यूनतम वेतन देने की मांग करते हुए मनपा प्रशासन को चेतावनी दिया था कि यदि जलापूर्ति विभाग में पूर्व कई वर्षों से ठेके पर काम करने वाले मजदूरों को न्यूनतम वेतन नियम के अनुसार वेतन नहीं दिया जाएगा तो श्रमजीवी कामगार संगठन मनपा के विरुद्ध तीव्र आंदोलन करेगा। . श्रमजीवी कामगार संगठन की मांग को गंभीरता से लेते हुए मनपा आयुक्त मनोहर हिरे ने जलापूर्ति विभाग के अधिकारियों सहित मजदूर संगठन के पदाधिकारियों के साथ एक बैठक लेकर मजदूरों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा किया । जिसमें माह जून के बाद ठेके पर काम करने वाले जलापूर्ति विभाग के मजदूरों को न्यूनतम वेतन देने का निर्णय लिया गया है। बैठक में श्रमजीवी संगठन के महासचिव ज्ञानेश्वर शिर्के,ठाणे जिलाध्यक्ष दिलीप गोतारने,श्रमजीवी संगठन के ठाणे जिला उपाध्यक्ष हीरामणि गुलवी एवं श्रमजीवी संगठन के भिवंडी तालुकाध्यक्ष एडवोकेट .रोहिदास पाटिल, डॉ.स्वाती खान,कमलाकर गोरले, रंगनाथ तरे एवं उपायुक्त मुख्यालय दीपक कुर्लेकर सहित मनपा के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संपादकीय

रहस्यमय बुखार के कहर

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में रहस्यमय बुखार से करीब डेढ सौ बच्चों की मौत पर राज्य सरकार के साथ-साथ केंद्र सरकार से जवाब तलब करके बिल्कुल सही किया। यह

इसलिए आवश्यक था, क्योंकि मुजफ्फरपुर और आसपास के इलाके में गंभीर किस्म के इंसेफलाइटिस की चपेट में आकर बच्चों के मरने का सिलसिला कायम रहने के बावजूद राज्य सरकार और साथ ही केंद्र सरकार की ओर से वैसे कदम नहीं उठाए गए जैसे अपेक्षित थे। यह सही है कि उन कारणों की तह तक जाने में मुश्किल हो रही है जिनसे बच्चे उस रहस्यमय बीमारी का शिकार बन रहे हैं जिसे चमकी बुखार अथवा एक्यूट इंसेफलाइटिस सिंड्रोम के तौर पर परिभाषित किया जा रहा है, लेकिन अगर इस बीमारी से निपटने की प्रबल इच्छाशक्ति दिखाते हुए हर संभव उपायों का सहारा लिया गया होता तो शायद आज हालात कुछ दूसरे होते। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि एक सीमित दायरे में रहकर ही इस बीमारी से निपटने के प्रयास किए गए।

आखिर इस बीमारी के कहर से बचने के लिए वैसे ही कदम क्यों नहीं उठाए जा सके जैसे इबोला अथवा निपाह वायरस से बचने के लिए उठाए गए? इससे इन्कार नहीं कि अतीत में भी मुजफ्फरपुर क्षेत्र में बारिश के पहले रहस्यमय बुखार ने अपना सिर उठाया और उसके चलते कई बच्चों की मौत भी हुई, लेकिन अतीत के उदाहरण देकर हाथ पर कामचलाऊ रवैया अपनाने का कोई मतलब नहीं था। यह सामान्य बात नहीं कि दर्जनों बच्चों की मौत के बाद भी शासन-प्रशासन के स्तर पर यही रेखांकित करने की कोशिश हुई कि यहां तो ऐसा होता ही रहता है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी कर दिया है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि इस बार गोरखपुर और आसपास के इलाके में एक्यूट इंसेफलाइटिस सिंड्रोम अथवा जापानी बुखार का वैसा कहर नहीं दिखा जैसा कुछ वर्षों पहले तक दिखता था।

समझना कठिन है कि बिहार सरकार उत्तर प्रदेश सरकार के तौर-तरीकों से कोई सीख क्यों नहीं ले सकी? सवाल यह भी है कि मुजफ्फरपुर के हालात को लेकर केंद्र सरकार समय रहते सक्रिय क्यों नहीं हुई? एक्यूट इंसेफलाइटिस सिंड्रोम के लिए गंदगी और कुपोषण के अतिरिक्त अन्य अनेक कारण जिम्मेदार बताए जा रहे हैं। निःसंदेह कई बार किसी बीमारी के मूल कारणों का पता लगाना मुश्किल होता है, लेकिन अगर उससे बचाव और उपचार के बेहतर उपाय किए जा सकें तो हालात काबू करने में मदद मिलती है। बिहार और केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के सवालों का चाहे जो जवाब दें, यह एक सच्चाई है कि मुजफ्फरपुर का श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज अस्पताल पर्याप्त संसाधनों से लैस नहीं दिखा। ऐसा तब हुआ जब यह उत्तरी बिहार का प्रमुख मेडिकल कॉलेज है और पिछले कई वर्षों से एक्यूट इंसेफलाइटिस सिंड्रोम के मरीजों का गवाह बनता रहा है।

संसाधनों के अभाव का सामना कर रहा यह मेडिकल कॉलेज अस्पताल देश में सरकारी स्वास्थ्य ढांचे की खराब स्थिति को ही बयान करता है। आवश्यक केवल यही नहीं कि बिहार में बच्चों की मौत का सिलसिला थमे, बल्कि यह भी है कि केंद्र और राज्य सरकारी स्वास्थ्य ढांचे को दुरुस्त करने के लिए कमर कसें।

झारखंड में मॉब लिंचिंग, चोरी के शक में मुस्लिम युवक की जमकर पिटाई,

झारखंड में एक मुस्लिम युवक के साथ मॉब लिंचिंग की घटना हुई है. यहां के खरसवां में चोरी करने के शक में भीड़ ने मुस्लिम युवक पर जमकर हमला किया. पुलिस को सौंपने से पहले भीड़ ने उसकी १८ घंटे से ज्यादा पिटाई की. युवक को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां शनिवार को उसकी मौत हो गई. युवक की पहचान २४ साल के तबरेज अंसारी के रूप में हुई है. झारखंड की इस घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. एक वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे एक शख्स तबरेज अंसारी को डंडे से मार रहा है. रिपोर्ट के मुताबिक, तबरेज को १८ जून को पुलिस को सौंपा

गया था. उससे पहले भीड़ ने उसकी जमकर पिटाई की. शनिवार को उससे अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई. एक आरोपी की पहचान पप्पू मंडल के रूप में हुई है. उसे गिरफ्तार कर लिया गया है. तबरेज अंसारी महाराष्ट्र के पुणे में वेल्डिंग का काम करता था. वह परिवार के साथ ईद मनाने के लिए अपने गांव खरसवां पहुंचा था. इस दौरान उसके परिवार ने उसकी शादी की भी तैयारी की थी. जून १८ की रात, वह दो लोगों के साथ जमशेदपुर के लिए निकला. झारखंड के एक समाज सेवक औरंगजेब अंसारी ने दावा किया है कि तबरेज को नहीं पता था कि वे दो युवक उसे कहां ले जा रहे हैं. इस दौरान दोनों युवक मौके से फरार हो गए और भीड़ ने तबरेज को पकड़ लिया और उसको पीटना शुरू कर दिया. हालांकि, तबरेज सभी आरोपों से इनकार करता रहा और कहा कि दो युवकों ने ऐसा किया है. उसे एक मोटरसाइकिल के पास इंतजार करने को कहा गया. उसने कहा कि मुझे कुछ नहीं पता है. एक वीडियो के आखिर में एक शख्स उससे जय श्रीराम और जय हनुमान कहने को भी कहा. इस पूरे मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है आरोपियों को पकड़ने की तलाश जारी है.

शास्त्रीनगर में मकान में चलता मिला सेक्स रैकेट

मेरठ। मेडिकल थाना क्षेत्र के पॉश शास्त्रीनगर के ब्लॉक में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। एसएसपी के निर्देश पर थाना एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) और मेडिकल पुलिस ने यहां एक मकान में छापा मारा तो पता चला कि करीब डेढ़ साल से देह व्यापार चल रहा था। मौके से दो महिलाएं और दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। सीओ एएचटीयू संजीव देशवाल के अनुसार कई दिनों से सूचना मिल रही थी कि शास्त्रीनगर के ब्लॉक में विद्या मंदिर स्कूल के पीछे गली में एक मकान में देह व्यापार चल रहा है। इसकी गोपनीय जांच की गई तो शिकायत सही पाई गई। रविवार दोपहर इंस्पेक्टर एएचटीयू बृजेश कुमार और इंस्पेक्टर मेडिकल प्रशांत मिश्र ने महिला पुलिस के साथ इस मकान पर छापा मारा। मौके से रोहित शर्मा निवासी एल ब्लॉक शास्त्रीनगर, ग्राहक टेकचंद गिरी निवासी भोपाल विहार भावनपुर के अलावा लोहियानगर निवासी महिला और रेलवे रोड क्षेत्र निवासी युवती को गिरफ्तार कर लिया है।

सीओ ने बताया कि जांच में यह मकान रामपाल प्रधान का बताया गया है। मकान मालिक ने मकान किराए पर दे रखा था। जिसमें आरोपी रोहित परिवार की एक महिला के साथ करीब डेढ़ साल से देह व्यापार कर रहा था। गिरफ्तार चारों आरोपियों के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। मकान मालिक और रोहित के परिवार की महिला की भूमिका की जांच की जा रही है। शास्त्रीनगर के ब्लॉक में किराए के मकान में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ कोई पहला नहीं है। इससे पहले भी शहर के पॉश इलाके बदनाम होते रहे हैं। सदर बाजार क्षेत्र की एक कोठी में देह व्यापार को लेकर एक सप्ताह पहले ही स्टिंग किया था। जिस स्थान पर पुलिस ने शास्त्रीनगर में सेक्स रैकेट पकड़ा है, यहां एक साल पहले मेडिकल पुलिस ने ब्यूटी पार्लर की आड़ में भी देह व्यापार का खुलासा किया था। जिसमें एक इंस्पेक्टर समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था। एक माह पहले नौचंदी क्षेत्र के शास्त्रीनगर में पुलिस ने देह व्यापार में दो युवती और दो युवकों को गिरफ्तार किया था। दो माह पहले कंकरखेड़ा के श्रद्धापुरी में रिटायर्ड अधिकारी के मकान में सेक्स रैकेट पकड़ा था। गंगानगर, ब्रह्मपुरी, टीपीनगर, जागृति विहार में भी सेक्स रैकेट का खुलासा हो चुका है। हाईकोर्ट के निर्देश पर कबाड़ी बाजार में रेडलाइट एरिया के ६७ कोठे पुलिस-प्रशासन बंद करा चुका है। लेकिन शहर की पॉश कॉलोनियों में देह व्यापार धड़ल्ले से चल रहा है। सीओ संजीव देशवाल के अनुसार गिरफ्तार रोहित ने बताया कि आसपास के लोगों को यही पता था कि ब्यूटी पार्लर चलता है। कॉल करके भी लोगों को बुलाया जाता था। वाहन मकान से दूर खड़े करवा दिए जाते थे। रोहित के मोबाइल की जांच में एक दर्जन नंबर संदिग्ध मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

मकान में देह व्यापार का खुलासा होने के बाद आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इस दौरान महिलाओं ने रोहित के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। रोहित और उसके परिवार की महिला को लानत देते हुए कहा कि यह गंदा धंधा करते हुए शर्म नहीं आई। जबकि पास ही स्कूल भी है। जैसे ही पुलिस टेकचंद को जीप में बैठाने लगी, तभी आरोपी इंस्पेक्टर बृजेश कुमार के पैर छूने लगा। बोला कि साहब बदनाम हो जाऊंगा, माफ कर दो। पहली बार आया था। मेरी जिंदगी बर्बाद हो जाएगी। लेकिन पुलिस ने एक नहीं सुनी और उसे गिरफ्तार कर लिया।

दूसरी महिला के लिए अधेड़ का 'खूनी प्यार', दो बेटे-बेटी और पत्नी को मार डाला, पूरी वारदात

परिवार के चार सदस्यों की हत्या करने वाले हरवंत सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस जघन्य अपराध को अंजाम देने के लिए हरवंत सिंह की प्रेमिका व उसके भांजे कुलदीप ने भी उसका साथ दिया है। पुलिस उसकी प्रेमिका व भांजे की तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस ने हरवंत सिंह को अजनाला की अदालत में पेश कर उसका चार दिन का रिमांड लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार हरवंत सिंह के एक नहीं कई महिलाओं के साथ संबंध थे। उसकी पत्नी दविंदर कौर, बेटे लवरूप सिंह, ओंकार सिंह व बेटी सिमरनजीत हरवंत के संबंधों का विरोध करते थे। हरवंत सिंह ने परिवार से छुटकारा पाने के लिए अपने भांजे कुलदीप सिंह निवासी कमालपुरा व अन्य साथियों के साथ मिल कर परिवार को मौत के घाट उतारा। हरवंत ने अपने साथियों के साथ मिल कर परिवार के सदस्यों की लाशों को नहर में फेंक दिया। इस जघन्य अपराध का किसी को पता न चले इसके लिए उसने लाशों में ईंटें बांध दी। बीती १६ जून की रात को इस हत्याकांड को अंजाम देने के बाद हरवंत सिंह फरार हो गया। जब गांववासियों को हरवंत व उसके परिवार के लापता होने की जानकारी मिली तो उन्होंने उसके साले को इसकी सूचना दी। साले मेजर सिंह ने पुलिस को सूचन दी की उसकी बहन व दो बेटे, एक बेटी व जीजा की कोई जानकरी नहीं मिल रही है। पुलिस ने हरवंत सिंह व उसके परिवार के लापता होने का मामला दर्ज कर लिया। पुलिस को नहर में एक महिला की लाश मिली। पुलिस ने मृतका की शिनाख्त मेजर सिंह से करवाई तो उसने बताया की यह लाश उसकी बहन की है। दविंदर कौर की लाश मिलने के बाद पुलिस को अंदेशा हो गया की परिवार के सभी सदस्यों की हत्या हो गई है।

मध्य प्रदेश में पुलिस ने किया सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, 27 लोग गिरफ्तार

भोपाल : मध्य प्रदेश के भोपाल में पुलिस ने सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है. इस मामले में पुलिस ने २७ लोगों को गिरफ्तार किया है. सेक्ट रैकेट श्यामला हिल्स और मिसरोड इलाके में मसाज पार्लर के अंदर चल रहा था. श्यामला हिल्स इलाके में पुलिस ने अली स्पा एंड फैमिली हेयर सैलून से ८ पुरुष और ६ महिलाओं को गिरफ्तार किया है. इसमें ४ स्थानीय महिलाएं थीं और २ नागालैंड की रहने वाली हैं. दूसरी तरफ मिसरोड से पुलिस ने बैंकॉक स्पा सेंटर से ६ पुरुष और ७ महिलाओं को हिरासत में लिया है. इसमें १ महिला छिंदवाड़ा से और ६ नागालैंड की

रहने वाली हैं. फरीदाबाद और गुरुग्राम में भी सामने आया था सेक्स रैकेट

इससे पहले हरियाणा के फरीदाबाद के पॉश इलाके सेक्टर २८ में ४ जून को पुलिस ने एक घर पर छापा मारा था. पुलिस ने छापेमारी में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए ५ महिलाओं सहित ६ लोगों को गिरफ्तार किया था. पुलिस के मुताबिक उन्हें जानकारी मिली थी कि यहां एक घर में सेक्स रैकेट चलाया जा रहा है. इसकी सूचना पर पुलिस ने एक टीम गठित कर एक बोगस ग्राहक को उस जगह पर भेजा और ग्राहक द्वारा इशारा मिलने के बाद पुलिस ने उस घर पर छापा मारा था. २७ मई को गुरुग्राम पुलिस ने शहर के हाईप्रोफाइल एरिया सुशांत लोक-३ में छापेमारी कर सेक्स रैकेट का खुलासा किया था. पुलिस ने मौके से २४ युवक-युवतियों को गिरफ्तार कर लिया था. पुलिस ने सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया था, जहां अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया था.

जीजा ने साली को बिजली के तार से गला घोंटकर उतारा मौत के घाट, फिर मुंह पर पेट्रोल डालकर लगा दी आग

रामनगर : उत्तराखंड के रामनगर में पिछले सप्ताह महिला की हत्या कर उसका शव नंदपुर गांव चिल्किया के पास सिंचाई नहर में फेंक दिया गया था। पुलिस ने मृतका की शिनाख्त कर उसके जीजा समेत दो हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

एसएसपी सुनील कुमार मीणा ने रविवार को कोतवाली में प्रेसवार्ता कर हत्याकांड का खुलासा किया। बताया कि १५ जून को नंदपुर चिल्किया के पास बड़ी नहर में अज्ञात महिला का शव मिला था। शव की शिनाख्त के लिए पुलिस ने कई माध्यमों से प्रयास किए थे। मशक्कत के बाद भजनपुरा दिल्ली निवासी अंकित शर्मा पुत्र शरद शर्मा ने मृतका की शिनाख्त अपनी पत्नी जन्नत निखत अंसारी (१९) के रूप में की। उसने ग्राम चोरपानी निवासी उसके जीजा सोनू सैनी पर पत्नी की हत्या का शक जताया था। पुलिस ने इसी आधार पर जांच की। सुबूत जुटाने के बाद पुलिस ने रविवार को आरोपी जीजा सोनू सैनी समेत थाना अमरोहा के मोहल्ला रफतपुरा निवासी राहुल सैनी उर्फ गुड्डू को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में सोनू ने हत्या का अपराध कबूला। बताया कि उसने

सांई कॉलोनी पीरूमदारा में किराये के मकान में ले जाकर बिजली के तार से गला घोंटकर उसकी हत्या की थी। हत्या के वक्त उसके मकान में काम करने वाली रेखा और उसका साला गुड्डू उर्फ राहुल सैनी भी मौजूद थे, जिन्हें उसने एक कमरे में बंद कर दिया था।

हत्या के बाद उसने साले गुड्डू की सहायता से वैगनआर कार में शव ले जाकर नहर में डाल दिया। पेट्रोल डालकर आग लगा दी और चेहरा झुलसा दिया ताकि उसकी पहचान न हो सके। उसे शक था कि निखत उसकी हत्या कराना चाहती है। इसलिए उसने उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने सोनू सैनी और गुड्डू को गिरफ्तार कर उनका चालान कर दिया है। अभियुक्तों से निखत के कान की दो रिंग, दो अंगूठियां, हत्या में प्रयुक्त बिजली का तार, घटना में प्रयुक्त वैगनआर कार बरामद की है। एसएसपी ने कोतवाल रवि कुमार सैनी, एसआई प्रताप नगरकोटी, जयपाल चौहान, रविंद्र राणा, सर्विलांस प्रभारी किशन चंद्र, एसओजी टीम के सिपाही रियाज अख्तर, अशोक कांबोज, तालिब हुसैन, वीरेंद्र पाल, भूपेंद्र सिंह को ढाई हजार रुपये ईनाम देने की घोषणा की है।

जीजा पर बना रही थी शादी का दबाव

पुलिस के अनुसार निखत का अपने पति से विवाद हुआ था। यह मामला दिल्ली कोर्ट में विचाराधीन है। इसलिए वह नौ जून से अपने जीजा सोनू सैनी के साथ रहने लगी थी। देह व्यापार का धंधा करने वाले सोनू ने नशे की दवा खिलाकर निखत को भी इस धंधे में धकेल दिया। वह सोनू पर शादी के लिए दबाव भी बना रही थी। इसी के चलते सोनू ने अपने साले के साथ मिलकर उसे मौत के घाट उतार दिया। सोनू ने पुलिस को बताया कि नौकरानी रेखा, दोस्त शंकर ने आगाह किया था कि निखत उसे (सोनू को) मार सकती है।

प्लेन में सो गई महिला यात्री, जब नींद खुली तो चारो तरफ था सिर्फ अंधेरा

जरा सोचिए आप प्लेन में सफर करते-करते सो जाएं और उसके बाद जागने पर आपको पता चले कि प्लेन के सभी यात्री और क्रू मेंबर वहां से जा चुके हैं और आधी रात हो चुकी है। शायद ये आपके लिए किसी डरावने सपने से कम नहीं होगा। लेकिन अगर कहा जाए कि यह घटना बिल्कुल सच है तो शायद आपको यकीन नहीं होगा। दरअसल ऐसा ही कुछ एयर कनाडा में हुआ। वहां टिफनी एडम्स नाम की महिला ने टोरंटो के लिए एयर कनाडा की उड़ान के दौरान जो कुछ भी अनुभव किया था, वह किसी डरावने अनुभव से कम नहीं था। टोरंटो जाने वाले विमान में टिफनी सो गई और कई घंटे बाद टोरंटो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक अंधेरे, खाली और लॉक किए गए विमान में उनकी नींद खुली, तब वह काफी डर गई थी। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि आखिर उस वक्त करे तो क्या करे।

फेसबुक पर शेयर की कहानी-

टिफनी ने फेसबुक पर अपने डरावने अनुभव को शेयर किया जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो गया। उन्होंने लिखा, 'मैं आधी रात के आसपास जगी (उड़ान के कुछ घंटे बाद), फ्लाइट में बिल्कुल अंधेरा था और ठंड के कारण हालत खराब हो रही थी, समझ में नहीं आ रहा था कि ये एक बुरा सपना था या फिर ऐसा कैसा संभव हुआ।'

फ्लाइट के सभी गेट बंद थे और काफी अंधेरा था-

टिफनी अपने फोन को चार्ज नहीं कर सकी, क्योंकि विमान का मेन पॉवर ऑफ कर दिया गया था। इस वजह से वह और भी परेशान हो गई। हालांकि, किस्मत ने उनका साथ दिया जब टिफनी को वहीं पर एक फ्लैशलाइट से ठोकर लगी। फिर वह विमान के एक दरवाजे को किसी तरह से खोलने में कामयाब रही और बाहर आकर फ्लैशलाइट से इशारा करना शुरू किया। कुछ समय बाद फ्लैशलाइट की रोशनी पर हवाई अड्डे के ग्राउंड स्टाफ की नजर गई और वह टिफनी को बचाने के लिए विमान की ओर बढ़ा, इसके बाद टिफनी को एयर कनाडा के अधिकारियों ने उनके घर पहुंचाया। लेकिन टिफनी इस घटना को अभी भी भूला नहीं पा रही हैं।

दो ट्रेनों में अस्थायी तौर पर अतिरिक्त डिब्बे जोड़ने का निर्णय

मुंबई : य़ात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पश्चिम रेलवे ने बांद्रा से जाने वाली दो ट्रेनों में अस्थायी तौर पर अतिरिक्त डिब्बे जोड़ने का निर्णय लिया है। ट्रेन सं. २२९१७/२२९१८ बांद्रा टर्मिनस-हरिद्वार एक्सप्रेस ट्रेन में एक अतिरिक्त शयनयान जोड़ा जाएगा। यह अतिरिक्त डिब्बा बांद्रा टर्मिनस से २६ जून को और हरिद्वार से २७ जून को जोड़ा जाएगा। ट्रेन सं. १२२४७/१२२४८ बांद्रा टर्मिनस-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस ट्रेन में एक अतिरिक्त एसी ३ टियर जोड़ा जाएगा। यह अतिरिक्त डिब्बा बांद्रा टर्मिनस से २८ जून को और हजरत निजामुद्दीन से २९ जून को जोड़ा जाएगा।

आवश्यकता है

मुंबई, ठाणे, कल्याण, नवी मुंबई, पालघर, इलाहाबाद, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, प्रतापगढ, आजमगढ़, लखनऊ इत्यादि जिलों से अंशकालिक संवाददाताओं की आवश्यकता है। संपर्क करें :

संपर्क : मो. ९८२१२८७९०५, ९३२२२४८३५३-९१६७००९६२९

Email : metrodinank@gmail.com

Advertisment Rates

Rs. 1000/- 1 Month (Five lines)
Rs. 3000/- 2 Month+1 Month (Five lines)
Rs. 3000/- 3 Month+2 Month (Five lines)

Size	B/W (Rs.)	4 Col. (Rs.)
Full Page	30,000	50,000
Half Page	16,000	30,000
Quarter Page	8,000	16,000
V card size	4,000	9,000

MEMBERSHIP
5 Year - 1000 Life time - 3000
Note : Please Issue Cheque, Cash & DD in the name of "Metro Dinank"

प्रकाशक, मुद्रक- श्रीमती मंजू दीनानाथ तिवारी द्वारा स्वामी एवं संपादक- दीनानाथ एम.तिवारी, द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस 7, उद्योग भवन, शर्मा इंडस्ट्रियल इस्टेट, बालभट्ट रोड गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 63 मुद्रित तथा जय बजरंगबली चाल कमेटी, गांधी नगर, कुरार विलेज मालाड (पूर्व), मुंबई- 97 से प्रकाशित। संपादक - दीनानाथ एम. तिवारी, कार्यकारी संपादक- कर्ण हिन्दुस्तानी, उपसंपादक- शिवशंकर तिवारी, संतोष तिवारी, राजेश पाल संरक्षक- वसंत सेठिया, शैलेश देसाई, दयाराम पाल, राजेंद्र आर. पाल, जया पेंगल, राजकुमार यादव, सुशील पाण्डेय (सी.ए.) - चीफ एड डिपार्टमेन्ट- निलेश पांडे वितरक-सुचित कुमार (मंत्रालय, पुलिस, मनपा, रेलवे, ओल्ड कस्टम हाऊस)

उत्तर प्रदेश ब्यूरो चीफ : बी. के. मिश्रा / सी. एस. तिवारी
कानून सलाहकार- डी.के. पाण्डेय, एड. किशोर डेढिया, जे.पी. शर्मा, एस.के. दुबे, के.के. शुक्ला, संपर्क : टेलीफैक्स 022-29656280,
मो. 9821287905, 9322248353-9167009629
Email : metrodinank@gmail.com
Post Regd.NoMH/MR/NW~-143/2009
नोटिस, नामपरिवर्तन, गजट, व्यवसायिक विज्ञापन आदि छपवाने के लिए संपर्क करें

पुनालेकर को छह जुलाई तक न्यायिक हिरासत

मुंबई : पुणे की एक अदालत ने नरेंद्र दाभोलकर हत्याकांड के आरोपी वकील संजीव पुनालेकर को छह जुलाई तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुनालेकर अब तक सीबीआई की हिरासत में थे, लेकिन रविवार को सीबीआई ने अदालत को बताया कि संजीव को और ज्यादा हिरासत में रखने की जरूरत नहीं है। इसके बाद न्यायाधीश ने संजीव पुनालेकर को छह जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। बता दें कि अंधश्रद्धा के खिलाफ आंदोलन चलाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता नरेंद्र दाभोलकर की २० अगस्त २०१३ को पुणे में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। तब से अनसुलझे इस हत्याकांड की जांच सीबीआई कर रही है। सीबीआई ने संजीव और उसके सहायक विक्रम भावे को २५ मई को गिरफ्तार किया है। संजीव पुनालेकर पर इस मामले में शामिल हमलावरों में से एक शरद कलासकर पर अपराध में इस्तेमाल किए गए हथियारों को नष्ट करने की सलाह देने का आरोप है। सीबीआई का कहना है कि उसे संजीव के लैपटॉप से 'अपराध की ओर संकेत करने वाले दस्तावेज' मिले हैं। सीबीआई के इस दावे के बाद उसे पूछताछ के लिए २३ जून तक सीबीआई हिरासत में भेजा गया था।

नगरसेविका का पीए गिरफ्तार

मुंबई : कांदिवली के गणेश नगर में ३४ वर्षीय एक महिला की संदिग्ध अवस्था में उसके घर से लाश मिलने पर इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, महिला फाहिन इनाम बस्तीवाला (२२) के शरीर पर अभी तक चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं। लेकिन कांदिवली पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि जिस महिला की मौत हुई है, उसका पति इनाम बस्तीवाला कभी नगरसेविका नेहा विनायक पाटील के पास काम करता था। उसने दो शादियां कर रखी थीं। फाहिन के परिजन ने इनाम पर दहेज के लिए उसकी हत्या करने का आरोप लगाया है। हालांकि, शक के आधार पर कांदिवली पुलिस ने इनाम को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस को फाहिन की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

ठेका मजदूरों को जून के बाद मिलेगा न्यूनतम वेतन

भिवंडी: भिवंडी मनपा जलापूर्ति विभाग में ठेके पर काम करने वाले मजदूरों को जून के बाद न्यूनतम वेतन दिया जाएगा। ठेके पर काम करने वाले मजदूरों को न्यूनतम वेतन देने का आश्वासन श्रमजीवी कामगार संगठन के पदाधिकारियों की ओर से मजदूरों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करने के बाद मनपा आयुक्त मनोहर हिरे ने जलापूर्ति विभाग के अधिकारियों को दिया है। बता दें कि मनपा जलापूर्ति विभाग में पिछले लगभग १५ वर्षों से ठेके पर काम करने वाले मजदूरों को न्यूनतम वेतन नियम के अनुसार वेतन सहित भविष्य निर्वाह निधि, साप्ताहिक छुट्टी मिलने, मजदूरों को गणवेश देने एवं ठेका पर काम करने वाले मजदूरों को मनपा द्वारा परिचय पत्र आदि देने की मांग को लेकर श्रमजीवी कामगार संगठन ने मनपा आयुक्त को पत्र दिया था।

टिटवाला में ईद मिलन एवं पक्ष प्रवेश कार्यक्रम संपन्न

कल्याण: भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने टिटवाला में ईद मिलन समारोह एवं अल्पसंख्यकों के विकास के लिए उन्हें भाजपा की मुख्यधारा में शामिल कराने के लिए 'पक्ष प्रवेश' कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें महाराष्ट्र हज समिति के सदस्य तथा अल्पसंख्यक मोर्चा महाराष्ट्र के प्रदेश महामंत्री हाजी एजाज देशमुख, उपाध्यक्ष मेहबूब खैरवा, इफ्तिखार अत्तार, सचिव तब्बसुम बैरागदार शिक्षक प्रमुख शाकेर राजा, दौलत पठान, नंदकुमार राऊत, महेंद्र जैन ,जिला अध्यक्ष रजी फरीद, कुरूश ईरानी, सरफराज (मुन्ना) रईस, तिरथ राठोड़ एवं अकील शाह आदि उपस्थित थे।

जहां ट्रैफिक दिखता है, रास्ता साफ करने लगते हैं

मुंबई : उम्र के जिस पड़ाव पर लोग नौकरी से रिटायर होने के बाद घर में बैठ कर आराम करते हैं। उस दौरान अगर ६९ वर्षीय एक बुजुर्ग मुंबई की सड़कों पर शोर मचाते वाहनों को नियंत्रित करने का काम करें, तो हैरानी होती है। दरअसल, इस काम को कांदीवली के ठाकुर कॉम्प्लेक्स निवासी एक बुजुर्ग पिछले एक-दो नहीं, बल्कि १२ सालों से गुमनाम होकर अंजाम दे रहे हैं। काफी मशक्कत के बाद भी उन्होंने अपना नाम नहीं बताया। यह बुजुर्ग मुंबई की सड़कों पर भीड़भाड़ वाली ट्रैफिक व्यवस्था को संभालने का काम कर रहे हैं। इसके पीछे इनका मकसद समाज सेवा करना है। वह रोजाना २-३ घंटे मुंबई की अलग-अलग सड़कों पर ट्रैफिक व्यवस्था को संभालते हैं।

'खाली बैठना अच्छा नहीं लगता है'

कांदीवली (ईस्ट) के आकुर्ली रोड पर ट्रैफिक संभालते हुए ये 'अंकल जी' दिखाई दिए। इनसे जब इस सेवा के बारे में जानकारी लेने की कोशिश की तो बड़ी मशक्कत के बाद अंकल जी ने सिर्फ इतना कहा कि भारी ट्रैफिक है और टाइम नहीं है, आपसे बात करने के लिए। हालांकि, काफी कोशिशों के बाद नाम नहीं बताने की शर्त पर इन्होंने बताया कि रिटायरमेंट के बाद घर में बैठना अच्छा नहीं लगता। उन्हें काम चाहिए, जो जनहित में हो।

निरपराध लोगों की मौत होने के बावजूद मनपा ने ठेकेदारों को नहीं किया ब्लैकलिस्ट

मुंबई : 'दो खून माफ' सुनने में तो यह अजीब सा लगता है लेकिन बीएमसी के ठेके पर पेड़ छांटने वाले ठेकेदारों पर यह बात सटीक बैठती है। बीएमसी के नियमों के हिसाब से अगर पेड़ छांटने में लापरवाही के बाद पेड़ या उसकी डाल गिरने से किसी नागरिक की मौत होती है, तो ऐसी स्थिति में ठेकेदार को तभी ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है जब दो से ज्यादा मौतें हों। बीएमसी के कॉन्ट्रैक्ट के हिसाब से, 'दो उल्लंघन बर्दाश्त किए जाएंगे, उसके बाद तीसरी बार उल्लंघन होने पर ही ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।' इसी वजह से हाल ही में पेड़ गिरने से हुई पांच मौतों के बावजूद किसी भी ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट नहीं किया गया है। ऊपर से बीएमसी का दावा है कि उसने शहर भर में सड़क के किनारे लगे सभी जोखिम वाले पेड़ों की छंटाई कर दी है। लेकिन इसके बावजूद दो मामलों में पेड़ों की शाखाएं गिरने से दो पैदल चलने वालों को अपनी

जान गंवानी पड़ी। सड़क किनारे लगे पेड़ इसलिए खतरा बन गए हैं क्योंकि बीएमसी ने मॉनसून से पहले पेड़ों की डालें छांटने के लिए जिन ठेकेदारों को ठेका दिया है उन्हें इसका कोई अनुभव नहीं है। सभी २४ ठेकेदार या तो ट्रांसपोर्ट कंपनियां चलाते हैं या नालों से सिल्ट साफ करते हैं। ये ठेकेदार मनमर्जी से पेड़ काटते जा रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि उन्होंने पेड़ छांट दिए हैं, जबकि न तो उनके पास इसका जरूरी कौशल है, न ही वैज्ञानिक जानकारी। इस प्रक्रिया में जिन पेड़ों से कोई खतरा नहीं है, वे काटकर खत्म कर दिए गए और बहुत से खतरनाक पेड़ अभी भी ज्यों के त्यों खड़े हैं। विपक्ष का आरोप है कि टेंडर के नियम जानबूझकर ऐसे बनाए गए हैं जो ठेकेदारों के हितों को सुरक्षित करते हैं।

हालांकि, अडिशनल म्युनिसिपल कमिश्नर विजय सिंहल कहते हैं कि अगर पेड़ गिरने से कोई दुर्घटना होती हे तो बीएमसी संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करेगी। लेकिन साथ ही वह यह भी जोड़ते हैं कि हम किसी भी ठेकेदार को केवल एक घटना के आधार पर ब्लैकलिस्ट नहीं कर सकते। सिंहल इसकी जिम्मेदारी नागरिकों पर डालते हुए कहते हैं कि उन्हें भी इस मामले में सतर्क होना होगा। उनका कहना है, ' अधिकांश मामलों में गिरने वाले पेड़ निजी परिसर या हाउसिंग सोसायटी में थे। इसलिए लोगों को इस मामले में सतर्क होना होगा और जरूरत पड़ने पर वे पेड़ों की छंटाई के लिए बीएमसी से ऑनलाइन अनुरोध कर सकते हैं।'

ऑटो ड्राइवर ने 19 साल की युवती के सामने किया हस्तमैथुन

मुंबई : मुंबई में एक ऑटो ड्राइवर की करतूत सामने आई है। आरोप है कि ऑटोवाले ने शनिवार रात को पवई के हीरानंदानी इलाके में एक १९ साल की युवती के सामने हस्तमैथुन किया। बताया जा रहा है कि मैनेजमेंट छात्रा बाहर घूमने-फिरने निकली थी, उसी दौरान यह घटना हुई। छात्रा ने ट्वीट करते हुए मुंबई पुलिस को मामले की जानकारी दी, जिसके बाद एक पुलिस टीम को मदद के लिए भेजा गया। छात्रा ने हमारे सहयोगी को बताया, 'करीब ११ बजकर ५४ मिनट पर मैं हीरानंदानी में जॉगिंग कर रही थी। मैं झील की ओर दौड़ रही थी। हाईवे देखने

के बाद मैं वापस मुड़ी।' आगे के घटनाक्रम की जानकारी देते हुए छात्रा ने बताया, 'मैंने देखा कि वहां कुछ लोग मौजूद थे और मैं थोड़ा घबरा गई। इसलिए मैं वहां मौजूद बैंक एटीएम की सीढ़ियों पर बैठ गई। मैं अपना फोन चला रही थी और तभी मैंने अपना सिर उठाया तो देखा कि ऑटो में बैठा शख्स मुझे घूर रहा है। जल्द ही मुझे एहसास हुआ कि वह हस्तमैथुन कर रहा था।' छात्रा ने पुलिस को बताया कि दाढ़ी वाला शख्स एक ऑटो ड्राइवर की यूनिफॉर्म पहने हुए था। पीड़िता ने यह भी कहा कि इस घटना से वह इतना डर गई थी कि न तो वह आरोपी का सामना करने की हिम्मत जुटा पाई और न ही ऑटो का नंबर लिख सकी। पीड़िता ने बताया, 'मैं मुंबई में २०१५ से रह रही हूं लेकिन यह पहली बार है जब मुझे इस तरह के हालात का सामना करना पड़ा।' छात्रा का कहना है कि आस-पास के सीसीटीवी में घटना के फुटेज हो सकते हैं। पीड़िता ने बताया, 'मेरा अनुमान है कि घटनास्थल पर सीसीटीवी होंगे, क्योंकि वहां आस-पड़ोस में कई ऑफिस कॉम्प्लेक्स हैं।'इस बीच एक पुलिस अधिकारी का कहना है, 'यह एक गंभीर मुद्दा है और हम इसकी जांच कर रहे हैं। उस इलाके में जो भी ऑटो ड्राइवर ऑपरेट करते हैं, हम उनसे पूछताछ करेंगे। संदिग्ध को पकड़ने के लिए हम पूरी कोशिश कर रहे हैं।'

जामुन बना जान का जोखिम, जहरखुरानों का कमाल

मुंबई, बचपन से सुनते आ रहे हैं कि ट्रेन में यात्रा करने के दौरान किसी अनजान व्यक्ति से खान-पान का संबंध नहीं रखना चाहिए, लेकिन कई बार सामने बैठे यात्री के अच्छे बर्ताव को देखने के बाद हम सारी बातें भूल जाते हैं। बांद्रा टर्मिनस पर शनिवार को जहरखुरानी के शिकार हुए तीन यात्रियों को भाभा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यात्रियों की पहचान श्याम सुंदर, कन्हैया लाल, अर्जुन लाल के रूप में हुई है। श्याम सुंदर के मुताबिक २० जून, २०१९ को तीनों यात्री दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशन से जनरल टिकट लेकर गाड़ी संख्या २२९५० के सामान्य कोच में यात्रा कर रहे थे कि तभी दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशन से ही उनके साथ २ अन्य यात्री सीट पर बैठे हुए थे। अजमेर स्टेशन आने पर रात के लगभग ११.१५ बजे सामने बैठे दोनों यात्रियों ने खाना शुरू किया और उन्होंने हम तीनों को जामुन खाने के लिए दिया। जामुन खाने के बाद हम तीनों बेहोश हो गए। बाद में हमें बांद्रा टर्मिनल स्टेशन पर कुछ पुलिसवालों ने उठाया। इस दौरान हमारे साथ क्या हुआ? इसकी हमें कोई जानकारी नहीं है। पीड़ितों के मुताबिक दोनों संदिग्ध व्यक्तियों ने अपने आपको भिवंडी का निवासी बताया था। जहरखुरानों ने एक सोने की अंगूठी, लैपटॉप एवं २५०० रुपए व पर्स जिसमें तीनों यात्रियों का सामान्य टिकट भी था, साथ ही २ मोबाइल पर हाथ साफ कर दिया है।

चूहे ने कुतर दिया मरीज की आंख,बीएमसी कमिश्नर को समन

मुंबई : बीएमसी के बाला साहेब ठाकरे ट्रॉमा सेंटर में इलाज करा रहे एक मरीज की आंख चूहे ने कुतर दी थी। इस मामले में राज्य मानवाधिकार आयोग ने बीएमसी कमिश्नर को समन भेजा है। मिली जानकारी के अनुसार, अप्रैल २०१८ में परमिंदर गुप्ता (२७) को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती किया गया था। बाला साहेब ठाकरे ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान मरीज की दाहिनी आंख के ऊपर वाले हिस्से को चूहे ने कुतर दिया था।

इसके बाद परिजन ने काफी हंगामा मचाया था। मामले के एक साल बाद मानवाधिकार आयोग ने कमिश्नर को समन जारी कर इस बारे में पूरी जानकारी मांगी है। बता दें कि अस्पताल ने परिजन के आरोपों का खंडन किया था। ऐसे में प्रशासन को अस्पताल द्वारा किए गए खंडन को भी साबित करने को कहा गया है। गौरतलब है कि जिस मरीज को चूहे ने काटा था, उसकी इलाज के दौरान मौत भी हो गई थी। अस्पताल ने मौत का कारण मरीज के दिमाग का सही से काम न करना बताया था।

क्या हादसे के बाद निकलेगा रास्ता!

ठाणे : मॉनसून आते ही जर्जर इमारतों पर खतरा मंडराने लगता है। कई इमारतों में हादसे की खबरें आती हैं। ताजा उदाहरण ठाणे स्टेशन के पास स्थित एसटी बस स्टैंड परिसर का है, जहां पिछले दिनों एक बड़ा होर्डिंग गिर गया। हालांकि इस हादसे में किसी को नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन एसटी बुकिंग ऑफिस की हालत ऐसी है कि यहां जरूर बड़ा हादसा हो सकता है।

बता दें कि जिस जगह होर्डिंग गिरा था, उसी के पास एसटी बुकिंग का ऑफिस है। ऑफिस की स्थिति इतनी खराब है कि कर्मचारी जान हथेली पर रखकर काम कर रहे हैं। इसी इमारत में स्टेट ट्रांसपोर्ट को-ऑपरेटिव बैंक का कार्यालय भी है। बैंक की हालत तो और भी दयनीय हो गई है।

खंडहर बन गया ऑफिस

को-ऑपरेटिव बैंक का कार्यालय में जगह-जगह छत का प्लास्टर निकला हुआ है। बावजूद इसके, स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रशासन की आंख नहीं खुल रही है। कार्यालय में करीब १० कर्मचारी काम करते हैं। इसके अलावा, यहां बड़ी संख्या में एसटी कर्मचारी, कंडक्टर और ड्राइवर अपनी राशि को जमा कराने के लिए आते हैं। बैंक के पैसेज की छत और दीवारों का प्लास्टर उखड़ गया है। स्टाफ दहशत के साए में काम करने को मजबूर है। ऑफिस की छत के अधिकांश हिस्से का प्लास्टर निकल गया है। प्लास्टर उखड़ने से छड़ें साफ देखी जा सकती हैं, जिन पर भी जंग लग चुका है। बिजली के तार भी इधर-उधर बिखर गए हैं। बैंक की जर्जर स्थिति के बारे में जब वहां बैठे स्टाफ के लोगों से पूछताछ की गई, तो किसी ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। इसी परिसर में विज्ञापन के ३५ से ४० होर्डिंग लगे हैं।

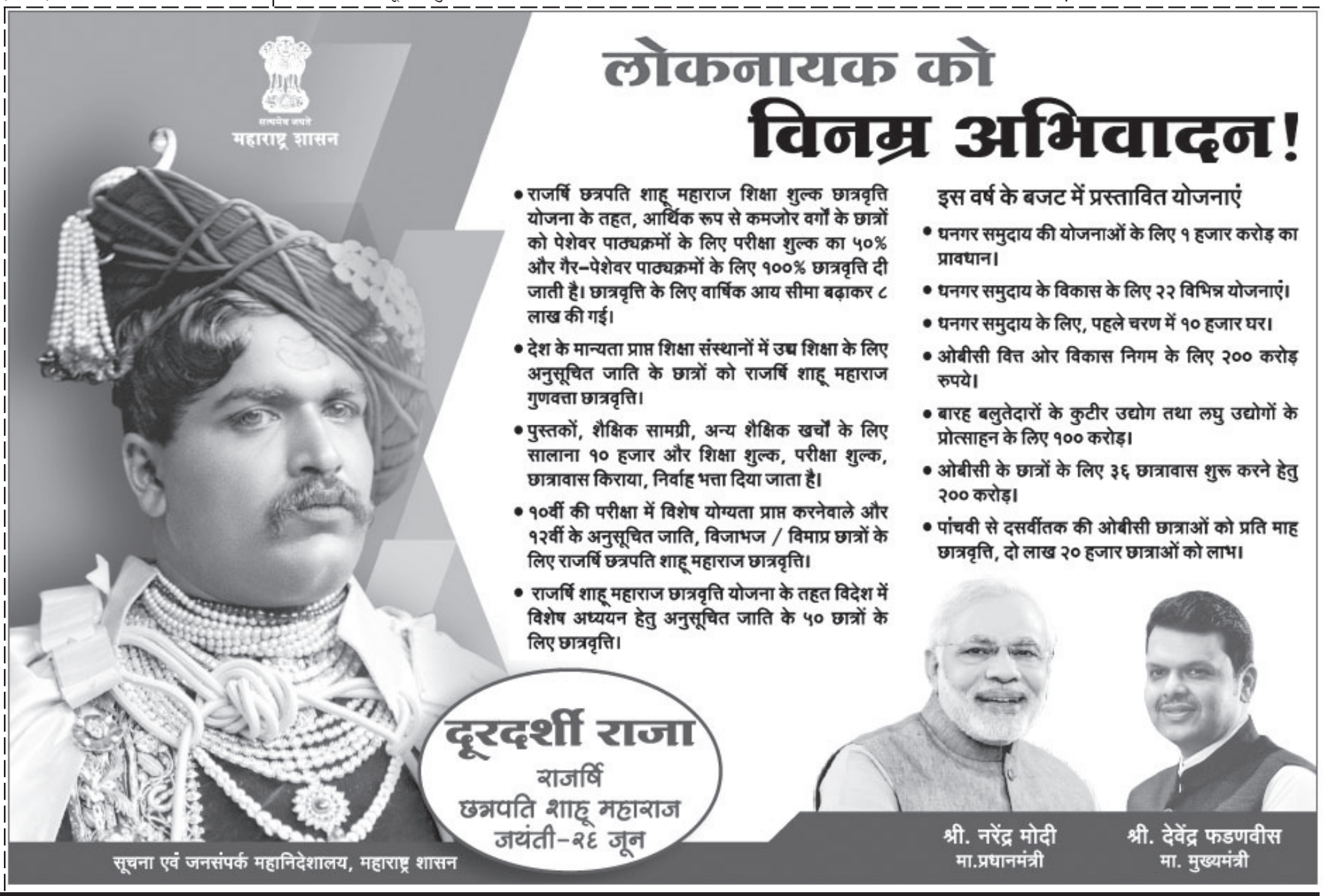

हाथ और पैर पर उग आती हैं पेड़ जैसी शाखाएं

ढाका: शरीर पर पेड़ जैसी संरचना उभरने की वजह से 'ट्री मैन' के नाम से मशहूर बांग्लादेशी नागरिक अब्दुल बजनदार ने सोमवार को कहा कि वह चाहता है कि उसके हाथ काट दिए जाएं ताकि उसे असहनीय दर्द से छुटकार मिल सके. आपको बता दें कि अब्दुल बजनदार बेहद अजबी बीमारी का शिकार हैं. इस बीमारी की वजह से उनके हाथ और पैर पर बार-बार पेड़ की शाखाओं जैसी आकृतियां उभर आती हैं. २०१६ से लेकर अब तक अब्दुल बजनदार के २५ ऑपरेशन हो चुके हैं. एएफपी के मुताबिक, डॉक्टरों को लग रहा था कि उन्होंने इस अजीब बीमारी को हरा दिया है लेकिन पिछले साल मई में हुई सर्जरी के बाद अब्दुल फिर ढाका स्थित क्लिनिक पहुंच गए. बिगड़ती हालत को देखते हुए एक बच्चे के पिता २८ वर्षीय अब्दुल को इसी साल जनवरी में अस्पताल में भर्ती कराया गया था. इस बार उनके हाथ पर पहले से भी लंबी पेड़ जैसी संरचनाएं उभर आईं हैं. उन्होंने कहा, 'मैं और दर्द सहन नहीं कर सकता. मैं रात को सो नहीं पाता हूं. मैंने डॉक्टरों से कहा कि वे मेरे हाथ काट दें ताकि मुझे कुछ राहत मिल सके.' अब्दुल की मां अमीना बीबी उनकी इस गुहार का समर्थन करती हैं. उन्होंने कहा, 'कम से कम उन्हें दर्द से तो निजात मिलेगी. यह नर्क जैसी स्थिति है.'

आपको बता दें कि अब्दुल एक अजीब बीमारी एपिडर्मोडिसप्लासिया वेरुसीफॉरमिस (Epidermodysplasia Verruciformis) से जूझ रहे हैं. इस बीमारी को 'ट्री मैन सिंड्रोम' के नाम से भी जाना जाता है. अब्दुल बेहतर इलाज के लिए विदेश जाना चाहते हैं लेकिन उनके पास इसके लिए पैसे नहीं हैं. ढाका मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल की मुख्य प्लास्टिक सर्जन समांथा लाल सेन ने कहा कि सात डॉक्टरों का एक बोर्ड मंगलवार को बजनदार की हालत पर चर्चा करेगा. उन्होंने कहा, 'वह अपने विचार रख चुके हैं. लेकिन हम वही करेंगे जो उनके लिए सबसे अच्छा होगा.' अब्दुल की अजीब बीमारी जब सुर्खियों में आई थी तभी बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना ने उनके मुफ्त इलाज का ऐलान किया था. अपने इलाज के पहले चरण के दौरान बजनदार अस्पताल के प्राइवेट विंग में करीब दो साल तक रहे थे. माना जाता है कि पूरी दुनिया में आधे दर्जन से भी कम लोग इस अजीब बीमारी के शिकार हैं. इससे पहले इसी अस्पताल ने साल २०१७ में इस बीमारी से जूझ रही एक बांग्लोदशी लड़की का इलाज भी किया था. डॉक्टरों ने उसके सफल ऑपरेशन का ऐलान किया था. लेकिन बाद में लड़की के पिता का कहना था कि ऑपरेशन के बाद पहले से भी ज्यादा लंबी पेड़ जैसी शाखाएं निकल आई हैं. इसके तुरंत बाद लड़की के घरवाले इलाज बीच में ही छोड़कर वापस अपने गांव चले गए थे.

पीएम नरेंद्र मोदी का कांग्रेस पर अटैक

सत्ता बचाने के लिए देश को बना दिया था जेलखाना

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष पर करारा प्रहार किया। पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी को भारत रत्न देने के अपनी सरकार के फैसले का जिक्र करते हुए उन्होंने विपक्ष के उन आरोपों पर भी पलटवार किया जिसमें कहा गया था कि पहले की सरकारों के योगदान को उन्होंने नकार दिया है। पीएम ने आगे तंज कसते हुए कहा, 'कल सदन में नारे लगाए जा रहे थे और आज २५ जून है।' उन्होंने कहा कि कई लोगों को तो जानकारी भी नहीं है कि २५ जून को क्या हुआ था, अगल-बगल पूछना पड़ता है। ऐसे में यह याद दिलाना जरूरी है कि २५ जून की रात देश की आत्मा को कुचल दिया गया था। उन्होंने कहा कि सिर्फ अपनी सत्ता बचाने के लिए देश को जेलखाना बना दिया गया था। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए पीएम मोदी ने अपने दूसरे कार्यकाल के ३ हफ्ते की उपलब्धियों का भी जिक्र किया।

पीएम ने आगे कहा, 'भारत में लोकतंत्र संविधान के पन्नों से पैदा नहीं हुआ है, भारत में लोकतंत्र सदियों से हमारी आत्मा है। उस आत्मा को कुचल दिया गया था, मीडिया को दबोच लिया गया था। देश के महापुरुषों को सलाखों के पीछे बंद कर दिया गया था। देश को जेलखाना बना दिया गया था और सिर्फ इसलिए कि किसी की सत्ता न चली जाए।' उन्होंने कहा कि न्यायपालिका का फैसला था, कोर्ट का अनादर कैसे होता है, उसका वह जीता-जागता उदाहरण है। पीएम ने कहा कि आज हमें लोकतंत्र के प्रति फिर एक बार अपना संकल्प समर्पित करना होगा। उस

समय जो भी इस पाप के भागीदार थे, ये दाग कभी मिटने वाला नहीं है। इसका स्मरण करना भी जरूरी है ताकि फिर कोई पैदा न हो जिसे इस रास्ते पर जाने की इच्छा हो जाए। उन्होंने कहा कि यह किसी को भला-बुरा कहने के लिए नहीं है।

पीएम ने कहा कि उस समय मीडिया पर ताले थे, हर किसी को लगता था कि पुलिस पकड़ लेगी। जाति, पंथ, संप्रदाय से ऊपर उठकर देश ने उस समय चुनाव में नतीजा दिया था। मतदाताओं ने लोकतंत्र को फिर से स्थापित किया था। इस बार फिर एक बार देश ने पंथ, जाति, संप्रदाय से ऊपर उठकर मतदान किया है।

कांग्रेस पर अटैक, आप इतने ऊंचे उठे कि जमीन से उखड़ गए

पी. एम. ने कहा कि यहां कुछ तीखी बातें बताई गईं, ज्यादातर चुनावी सभाओं की बातें बताई गईं। उन्होंने कहा कि हर एक का अपना अजेंडा होता है लेकिन यहां कहा गया कि हमारी ऊंचाई को कोई कम नहीं कर सकता है। पीएम ने चुटीले अंदाज में कहा, 'हम किसी लकीर को छोटी करने में समय बर्बाद नहीं करते। हम हमारी लकीर को लंबी करने के लिए जिंदगी खपा देते हैं। आपकी ऊंचाई आपको मुबारक क्योंकि आप इतने ऊंचे चले गए हैं कि आपको जमीन दिखना बंद हो गई। आप इतने ऊंचे चले गए हैं कि जमीन से उखड़ चुके हैं। आपको जमीन के लोग तुच्छ दिखते हैं और इसलिए आपका और ऊंचा होना मेरे लिए अत्यंत संतोष और आनंद की बात है। मेरी कामना है कि आप और ऊंचे बढ़ें।' पी. एम. ने कहा कि हमारा सपना ऊंचा होने का नहीं, जड़ों से जुड़ने का है। हमारा सपना जड़ों से मजबूती पाकर देश को आगे ले जाना है। हम आपको शुभकामनाएं ही देंगे कि आप और ऊंचे, और ऊंचे जाइए।

पहले की सरकारों के योगदान को न मानने के आरोपों का दिया जवाब

पीएम ने कहा, '२००४ से पहले देश में वाजपेयी सरकार थी। २००४ से २०१४ में शासन में बैठे लोग सरकारी कार्यक्रमों में अटल बिहारी वाजपेयी की तारीफ की हो, नरसिम्हा राव की सरकार या अभी के भाषणों में भी किसी ने मनमोहन सिंह का नाम लिया हो तो बताएं।' उन्होंने बताया, 'लाल किले से शायद मैं पहला प्रधानमंत्री हूं जिसने आजादी से लेकर केंद्र और राज्य की जितनी सरकारें हुईं, सबका देश को आगे ले जाने में योगदान है, इसे कहा। सदन में भी मैंने कई बार कहा है और दोबारा कहता हूं।'

आप विधायक मनोज कुमार को तीन महीने कैद की सजा, 2013 का है मामला

नई दिल्ली : विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले केजरीवाल के लिए बुरी खबर आ रही है। मंगलवार को दिल्ली की एक अदालत ने केजरीवाल के विधायक मनोज कुमार को तीन महीने कारावास की सजा सुनाई है।

राउज एवेन्यू अदालत ने मंगलवार को कोंडली से आप विधायक मनोज कुमार को चुनाव प्रक्रिया में बाधा डालने के मामले में तीन महीने कैद की सजा सुनाई है। उन्हें पिछली सुनवाई में दोषी करार दिया गया था। मामला वर्ष २०१३ में दिल्ली विधानसभा चुनाव में कल्याणपुरी थाने में दर्ज कराया गया था।

राउज एवेन्यू अदालत के

एसीएमएम समर विशाल ने मनोज कुमार को सरकारी काम में बाधा डालने, चुनाव केंद्र में माहौल खराब करने की धाराओं में ४ जून को दोषी करार दिया था।

ये है पूरा मामला

पेश मामला २०१३ के चुनाव के दौरान मनोज कुमार की अगुवाई में ५० से ज्यादा आप कार्यकर्ताओं के एमसीडी स्कूल के गेट पर हंगामा करने और मतदान की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करने से जुड़ा है।

इससे मतदाताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा था। इन लोगों ने स्कूल का मेन गेट भी बंद कर दिया था, जिससे पुलिसकर्मी व चुनाव में लगा स्टाफ भी अंदर बंद हो गया।

पुलिस के मुताबिक मतदान समाप्त होने के बाद दोषी ने मतपेटियों को बाहर नहीं ले जाने देने की बात कहते हुए गेट बंद कराकर उसके सामने बैठ गया। इसके बाद मतपेटियों को दूसरे रास्ते से बाहर निकाला गया था। हालांकि कोर्ट में सुनवाई के दौरान मनोज कुमार ने इन तमाम आरोपों का खंडन किया था।

दलित युवक से कराया हरियाणवी गाने पर डांस, अर्द्धनग्न कर पीटा

हरियाणा के सोनीपत में एक दलित युवक को अर्द्धनग्न कर पीटने और हरियाणवी गाने पर जबरन नचवाने का मामला सामना आया है. ये मामला बजाना कस्बे का है. इस मामले में पुलिस ने गांव के दो युवक मोहित और जितेंद्र को गिरफ्तार कर. दोनों गिरफ्तार आरोपियों पर अलग-अलग धाराएं लगाई गई हैं. पुलिस दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करने वाली है. दोनों युवक गांव के एक दलित युवक को खेत में ले गए और उन्हें वहां पीटा. पुलिस के मुताबिक ये दोनों आरोपी अंकित को भैंस चराने और उसे जबरन अपने खेतों में काम करने को बोल रहे थे, लेकिन दलित युवक ने ऐसा नहीं किया. इसके बाद दोनों ने इस युवक को पीटा और इसी हालत में उसे हरियाणवी गाने पर नचवाया. दोनों आरोपियों ने पूरी घटना का वीडियो भी बना लिया और उसे वायरल कर दिया. मीडिया में खबर चलाने के बाद पुलिस ने दोनों युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया और दोनों को धर दबोचा. दोनों आरोपी बजाना गांव के ही निवासी हैं. इस मामले में गन्नौर डीएसपी संदीप कुमार ने बताया कि पुलिस के पास बजाना गांव का एक वीडियो आया था, इस वीडियो में दो युवक एक युवक की पिटाई कर रहे थे, मामले में पीड़ित युवक का बयान दर्ज करने के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है.

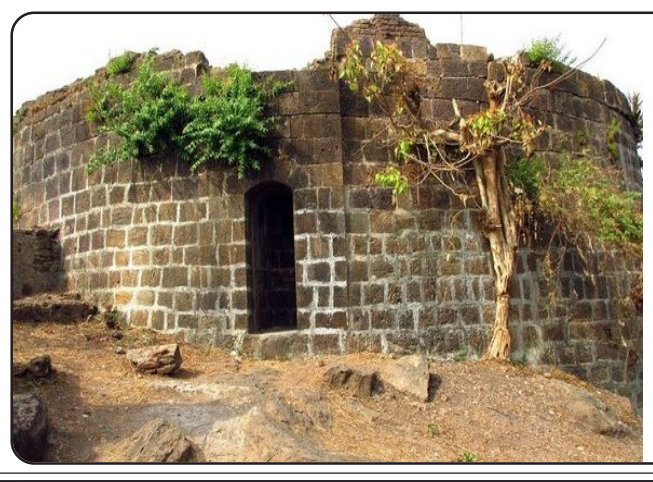

मीरा-भाइंदर मनपा को घोड़बंदर किला सुपुर्द

मुंबई, मीरा-भाइंदर की धरोहर घोड़बंदर किला के रख-रखाव व सजावट के लिए शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक पिछले कई वर्षों से प्रयत्नशील थे। इस मुद्दे पर हमेशा राज्य सरकार के संबंधित विभाग से पत्राचार कर रहे थे। अंतत: राज्य सरकार ने घोड़बंदर किले को मनपा को सुपुर्द कर दिया। अब मनपा जल्द ही इसके संवर्धन का काम करेगी।

मतलब शिवसेना की मेहनत रंग लाई और किला मनपा को सुपुर्द हो गया। मीरा-भाइंदर की हद में अमदाबाद-मुंबई हाइवे स्थित घोड़बंदर किला है। इस किले में छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपने जीवन के कुछ दिन गुजारे थे। सोलहवीं सदी में बना यह प्राचीन किला रख-रखाव के अभाव में दिनों-दिन जर्जर हो गया था। शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक अपने प्रथम कार्यकाल से इस किले के जीर्णोद्धार के लिए प्रयत्नशील थे। राज्य सरकार के पुरातत्व विभाग ने किले के संवर्धन, सुशोभीकारण के लिए किला को मीरा-भाइंदर मनपा को सुपुर्द कर दिया। अब जल्दी ही किला के सौंदर्यीकरण का काम शुरू किया जाएगा। घोडबंदर किले का दुरुस्तीकरण, नवीनीकरण, पर्यटक को किला तक जाने के लिए सड़क का निर्माण, परिसर में बाग लगाने आदि काम सुशोभीकरण के अंतर्गत किया जाएगा। जल्दी ही भूमिपूजन किया जाएगा।

सरकारी कॉल ड्राप! बीएसएनएल के पास वेतन को पैसा नहीं

मुंबई, सरकारी टेलिकॉम कंपनी बीएसएनएल ने सरकार को एक एसओएस (संकट संदेश) भेजा है, जिसमें कंपनी ने ऑपरेशंस जारी रखने में लगभग अक्षमता जताई है। कंपनी ने कहा है कि कैश कमी के चलते जून के लिए लगभग ८५० करोड़ रुपए की सैलरी दे पाना मुश्किल है। कंपनी पर अभी करीब १३ हजार करोड़ रुपए की आउटस्टैंडिंग लायबिलिटी है, जिसके चलते बीएसएनएल का कारोबार डांवांडोल हो रहा है।

बीएसएनएल के कॉर्पोरेट बजट एंड बैंकिंग डिविजन के सीनियर जनरल मैनेजर पूरन चंद्र ने टेलिकॉम मंत्रालय में जॉइंट सेक्रटरी को लिखे एक पत्र में कहा, 'हर महीने के रेवेन्यू और खर्चों में गैप के चलते अब कंपनी का संचालन जारी रखना चिंता का विषय बन गया है क्योंकि अब यह एक ऐसे लेवल पर पहुंच चुका है, जहां बिना किसी पर्याप्त इक्विटी को शामिल किए बीएसएनएल के ऑपरेशंस जारी रखना लगभग नामुमकिन होगा।'

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद कुछ महीने पहले बीएसएनएल की डांवांडोल हालत का जायजा लिया था और इस दौरान कंपनी के चेयरमैन ने पीएम को एक प्रेजेंटेशन भी दिया था। हालांकि, इस बैठक के बाद भी इस समस्या का कोई समाधान नहीं निकल पाया कि लगभग १.७ लाख कर्मचारियों वाली कंपनी किस तरह खुद को संकट से उबार पाएगी?

पिछले सप्ताह भी सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी ने सरकार से कंपनी के भाग्य का फैसला करने के लिए अगली कार्यवाही से संबंधित सलाह मांगने के लिए एक चिट्ठी लिखी थी। बता दें कि बीएसएनएल सबसे ज्यादा घाटा सहने वाली टॉप पीएसयू है और कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की रिपोर्ट के मुताबिक, बीएसएनएल को दिसंबर, २०१८ के आखिर तक ९०,००० करोड़ रुपए से ज्यादा का परिचालन नुकसान झेलना पड़ा था।

कंपनी के समक्ष कर्मचारियों की सैलरी और अन्य बेनिफिट्स सबसे बड़ी समस्या बनी हुई है। वित्त वर्ष २०१८ में रिटायरमेंट बेनिफिट्स सहित कर्मचारियों पर खर्च बीएसएनल के परिचालन राजस्व का ६६ प्रतिशत रहा, जबकि वित्त वर्ष २००६ में यह २१ प्रतिशत था। इससे पहले रविवार को ही बीएसएनएल के इंजीनियरों और लेखा पेशेवरों के एक संघ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कंपनी के पुनरुद्धार के लिए हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल पर कोई कर्ज नहीं है और इसकी बाजार हिस्सेदारी में लगातार इजाफा हो रहा है। ऐसे में कंपनी को फिर से खड़ा किया जाना चाहिए।

मुद्रक, प्रकाशक - मंजू दीनानाथ तिवारी, स्वामी एवं संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस गाला नं.3-4, अमीन इंडस्ट्रीयल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नं.2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 63 से मुद्रित तथा जय बजरंगबली चाल कमेटी, गांधी नगर, कुरार विलेज, मालाड (पूर्व), मुंबई-97 से प्रकाशित। संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी Mob. : 9004162915 / 70391 43986
RNI.No.:MAHHIN/2009/35355 संपर्क : टेलीफैक्स 022-29656280, मो. 9821287905, 9322248353-9167009629 Email : metrodinank@gmail.com